कर्मयोगी सप्ताह और मिशन कर्मयोगी

विकसित भारत के लिए भारत की लोक सेवाओं में बदलाव लाना

27 अक्टूबर 2024

भारत की लोक सेवाओं को आधुनिक बनाने की ऐतिहासिक पहल के तहत **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने** 19 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में **'कर्मयोगी सप्ताह'– राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह** का शुभारंभ किया। यह लोक सेवकों को निरंतर सीखने और क्षमता निर्माण करने की संस्कृति प्राप्त करने के लिए प्रेरित और सक्रिय करने की दिशा में की गई पहल है तथा यह हमारे राष्ट्रीय सेवा लक्ष्यों को नए सिरे से संगठित करने हेतु एक मंच के रूप में काम करेगा। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य **30 लाख से अधिक केंद्रीय लोक सेवकों** में आजीवन सीखने और आत्म-सुधार की दिशा में प्रतिबद्धता उत्पन्न करके **'एक सरकार'** के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

कर्मयोगी सप्ताह: आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता

19 से 25 अक्टूबर, 2024 तक सप्ताह भर चलने वाले कर्मयोगी सप्ताह की अवधि अब 27 अक्टूबर 2024 तक बढ़ा दी गई है। इसे लोक सेवकों के लिए निरंतर सीखने के वार्षिक उत्सव के रूप में परिकल्पित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के मुख्य उद्देश्य हैं:

• लोक सेवकों को राष्ट्रीय लक्ष्यों और सेवा मिशनों के साथ जोड़ना

• सभी मंत्रालयों और क्षेत्रों में निरंतर क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करना

• सक्रिय भागीदारी और चिंतन के साथ एकीकृत शिक्षण इकोसिस्टम का निर्माण करना

इस पहल के अंतर्गत कर्मयोगी सप्ताह में भाग लेने वाला प्रत्येक प्रतिभागी राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान **कम से कम 4 घंटे की योग्यता-संबंधी शिक्षा** के लिए प्रतिबद्ध होगा। यह शिक्षा विभिन्न रूपों में होगी, जैसे:

• **आईगॉट पाठ्यक्रम**: आईगॉट प्लेटफॉर्म पर अनुशंसित पाठ्यक्रमों को पूरा करना

• **दैनिक वेबिनार:** व्यावहारिक व्याख्यान और नीतिगत मास्टरक्लास

• **एमडीओ-विशिष्ट कार्यक्रम**: आईगॉट और आंतरिक संगोष्ठियों के माध्यम से मंत्रालयवार शिक्षण सत्रों में भाग लेना।

सीखने के उद्देश्य मिशन कर्मयोगी के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप हैं, जो **कर्मयोगी के चार संकल्पों: विकास, गर्व, कर्तव्य और एकता** को मजबूत करते हैं। प्रत्येक लोक सेवक को अपनी जिम्मेदारियों के अनुरूप पाठ्यक्रम चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, चाहे वह अनिवार्य शिक्षण सूची, भूमिका-विशिष्ट प्रशिक्षण, मंत्रालय द्वारा समर्थित विकल्प, या निजी कौशल और योगदान को बढ़ाने के लिए स्वयं-चयनित पाठ्यक्रम हों।

मिशन कर्मयोगी: राष्ट्रीय विकास के लिए योग्यता निर्माण

मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य लोक सेवा अधिकारियों को उनकी योग्यता-आधारित क्षमता निर्माण यात्रा में मार्गदर्शन देने के लिए एक व्यापक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म विकसित करना और उसे बरकरार रखना है, जिसमें ऑनलाइन, आमने-सामने और मिश्रित शिक्षा को सक्षम करना, सामयिक मंचों के माध्यम से चर्चाओं को सुगम बनाना, करियर पथों का प्रबंधन करना और अधिकारियों की योग्यताओं को इंगित करने वाले विश्वसनीय आकलन को सक्षम करना शामिल है।

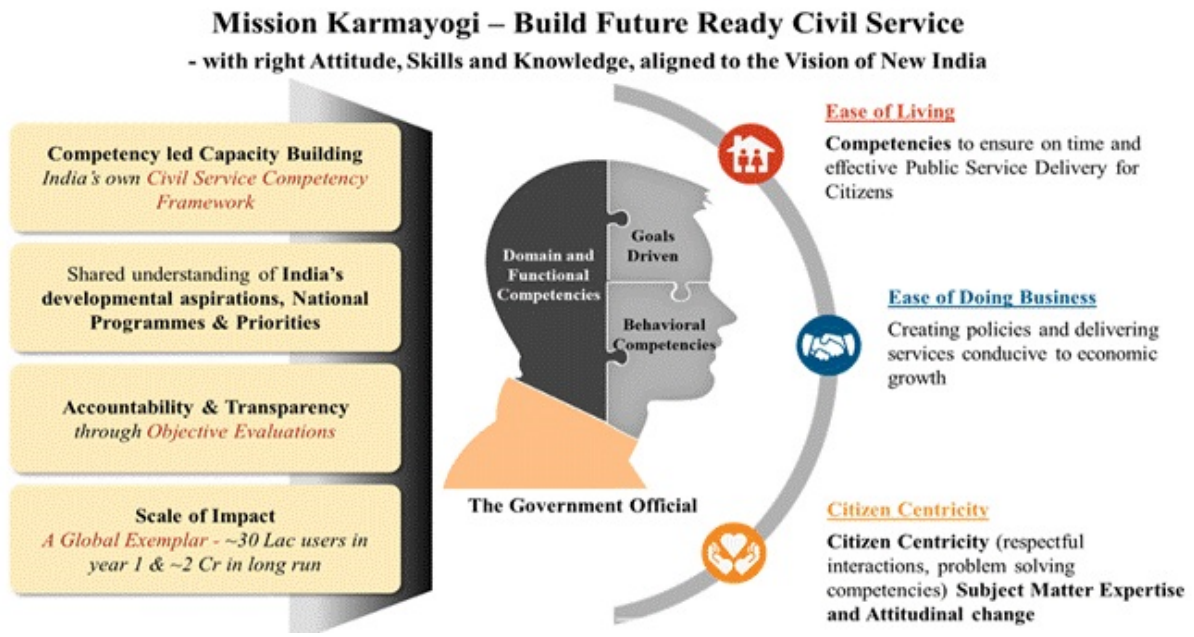

यह मिशन मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम की स्थापना के जरिए अधिकारियों को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु निरंतर, कभी भी और कहीं भी सीखने की सुविधा प्राप्त करने में सक्षम बनाते हुए भारतीय लोक सेवा क्षमता निर्माण परिदृश्य में परिवर्तन लाने का प्रयास करता है।

सुधार की आवश्यकता

लोक सेवक नीति निर्माण और अत्याधुनिक तरीके से सेवा प्रदायगी कार्यान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, वर्तमान लोक सेवा क्षमता निर्माण परिदृश्य निम्नलिखित चुनौतियों से घिरा है :

- मौजूदा प्रशिक्षण नीतिगत हस्तक्षेप इक्का-दुक्का और बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत और रुक-रुक कर होने वाले नवाचारों तक सीमित रहे
- राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के प्रति समग्र एकीकृत विजन और समझ के बजाय, अलग-थलग या टुकड़ों में घिसे-पिटे तरीके से काम करना
- सभी लोक सेवकों के लिए आजीवन और निरंतर सीखने के वातावरण का अभाव
- ज्ञान के आदान-प्रदान में अवरोध सहयोगपूर्ण ढंग से कार्य करने में बाधक रहे

यह मिशन नियम-आधारित से भूमिका-आधारित मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली की ओर बढ़ने का समर्थन करता है। इस मिशन का उद्देश्य **सही समय पर सही भूमिका के लिए सही व्यक्ति** की नियुक्ति है।

आईगॉट प्लेटफॉर्म: मिशन कर्मयोगी का डिजिटल आधार

मिशन कर्मयोगी के मूल में आईगॉट (एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण) प्लेटफॉर्म है, जो विभिन्न विषयों पर **1,400 से अधिक पाठ्यक्रमों** का ऑनलाइन संग्रह प्रदान करता है। **45 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों के पहले से ही पंजीकृत होने** और अब तक **1.6 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे होने** के साथ, आईगॉट भारत में लोक सेवकों के कौशल और ज्ञान प्राप्त करने के तरीके को बदल रहा है। ऑनलाइन, आमने-सामने और मिश्रित शिक्षण प्रारूपों के माध्यम से आईगॉट प्रत्येक कर्मचारी की सीखने की यात्रा को ट्रैक करने में मदद करता है, जिससे एक संरचित योग्यता ढांचे का मार्ग प्रशस्त होता है।.

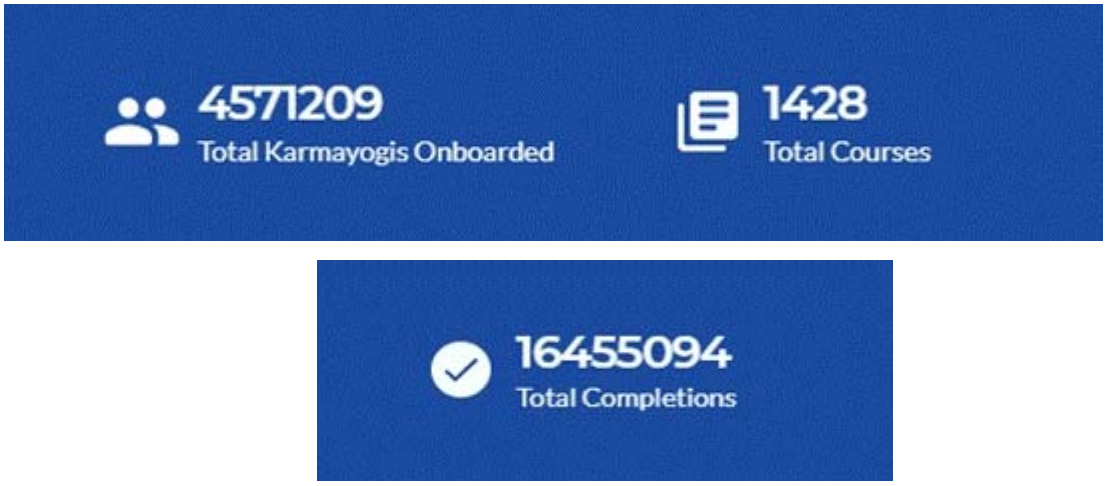

प्रशिक्षण में प्रासंगिकता और गहराई सुनिश्चित करने के लिए आईगॉट प्लेटफ़ॉर्म पर पाठ्यक्रमों को वर्गीकृत किया गया है:

• **सामान्य अनुशंसित पाठ्यक्रम:** "विकसित भारत" और "जन भागीदारी" जैसे सामान्य पाठ्यक्रम सभी लोक सेवकों के लिए डिज़ाइन किए गए।

• **भूमिका-आधारित शिक्षा:** कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) प्रमुख दक्षताओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए नौकरी की भूमिकाओं के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम तैयार करता है।

• **मंत्रालय-अनुशंसित पाठ्यक्रम**: प्रत्येक मंत्रालय अपनी वार्षिक क्षमता निर्माण योजना (एसीबीपी) के आधार पर आवश्यक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करता है।

• **स्व-चयनित पाठ्यक्रम**: अधिकारी आगे के योगदान के लिए व्यक्तिगत रुचियों और लक्ष्यों के आधार पर विषयों का चयन कर सकते हैं।

भविष्य के लिए एक विजन

मिशन कर्मयोगी और कर्मयोगी सप्ताह परिवर्तनकारी राष्ट्रीय प्रगति को प्रेरित करने में सक्षम सरकारी कार्यबल को बढ़ावा देने के प्रति भारत के समर्पण दर्शाता है। लोक सेवकों को राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने, आजीवन सीखने को सक्षम बनाने और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए ये पहल भविष्य के लिए तैयार लोक सेवा के लिए आधार तैयार करती हैं। मिशन कर्मयोगी द्वारा प्रदान किया गया संरचित और टिकाऊ शिक्षण इकोसिस्टम भारत की सरकार की प्रभावशीलता और जवाबदेही को बढ़ाएगा, जिससे देश 2047 तक "विकसित भारत" की ओर अग्रसर होगा।

संदर्भ

https://igotkarmayogi.gov.in/#/

https://karmayogibharat.gov.in/

Mission Karmayogi Ebook: https://dopttrg.nic.in/igotmk/

https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pm-launches-karmayogi-saptah-national-learning-week/

पीडीएफ फाइल के लिए यहां देखिए

****

एमजी/आरपीएम/केसी/आरके

(Backgrounder ID: 153370)